भारत सरकार
रक्षा मंत्रालय
रक्षा उत्पादन विभाग
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 447
21 जुलाई, 2023 को उत्तर के लिए

रक्षा उत्पादन का मूल्य

447. श्री प्रतापराव जाधव :
श्री धैर्यशील संभाजीराव माणे :
श्री बिद्युत बरन महतो :
श्री सुधीर गुप्ता :
श्री श्रीरंग आप्पा बारणे :
श्री संजय सदाशिवराव मांडलिक :

क्या रक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान पहली बार रक्षा उत्पादन का मूल्य एक लाख करोड़ रुपए के आंकड़े को पार कर गया है ;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और सरकार द्वारा रक्षा विनिर्माण में 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' के उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए क्या नीतिगत सुधार किए गए;

(ग) क्या एमएसएमई और स्टार्ट-अप सहित उद्योगों ने रक्षा उपकरणों के अभिकल्पन, विकास और विनिर्माण में रुचि दिखाई है; जिसके परिणामस्वरूप इस क्षेत्र में तेजी से वृद्धि हुई है ;

(घ) यदि हां, तो सरकार द्वारा रक्षा उपकरण निर्माण में रुचि दिखाने वाले विभिन्न एमएसएमई और स्टार्ट-अप हेतु की गई विभिन्न पहलों, प्रदान की गई/प्रदान की जा रही सहायता का ब्यौरा क्या है; और

(ड.) देश में किस तरीके से इन एमएसएमई और स्टार्ट-अप ने रक्षा औद्योगिक विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा दिया है और रोजगार के अवसर पैदा करने में सहायता की है?

उत्तर
रक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अजय भट्ट)

(क) : जी, हां ।

(ख) से (ड.) : सरकार ने विगत कुछ वर्षों में कई नीतिगत पहलें की है और एमएसएमई तथा स्टार्ट-अप्स सहित भारतीय उद्योग द्वारा रक्षा उपस्करों के स्वदेशी अभिकल्पन, विकास एवं विनिर्माण को प्रोत्साहित करने के लिए सुधार किए हैं, जिससे देश में रक्षा विनिर्माण और प्रौद्योगिकी में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को बढ़ावा मिला है । सरकार, रक्षा उत्कृष्टता हेतु नवाचार (आईडीईएक्स), प्रौद्योगिकी विकास निधि (टीडीएफ), रक्षा अधिग्रहण प्रक्रिया (डीएपी) 2020 के तहत मेक प्रक्रिया जैसी विभिन्न स्कीमों के अंतर्गत रक्षा प्रौद्योगिकी के विकास हेतु एमएसएमई/स्टार्ट-अप्स की सहभागिता को बढ़ावा देती है । डीएपी 2020 में एमएसएमई और स्टार्ट-अप्स को प्रोत्साहित करने के लिए विशेष प्रावधान किए गए हैं । इसके अलावा, डीपीएसयू में एमएसई आदेश, 2012 के लिए सार्वजनिक खरीद नीति कार्यान्वित की गई है जिसके तहत एमएसएमई बोलीदाताओं को कतिपय शर्तों के अंतर्गत कीमत आधार पर वरीयता दी जाती है । इसके अतिरिक्त, डीपीएसयू और सर्विसेज ने 'स्वदेशीकरण हेतु सृजन पोर्टल' पर 30,000 से अधिक रक्षा मदें अपलोड की हैं और स्वदेशीकरण प्रक्रिया में साझेदार बनने के लिए उन्हें एमएसएमई सहित उद्योग को ऑफर किया है ।

इसके अलावा, रक्षा उत्कृष्टता हेतु नवाचार (आईडीईएक्स) की शुरूआत अप्रैल, 2018 में एमएसएमई/स्टार्ट-अप्स के साथ-साथ उद्योग को शामिल करके रक्षा और एयरोस्पेस में नवाचार एवं प्रौद्योगिकी विकास को आगे बढ़ाने के लिए की गई थी । आईडीईएक्स भावी प्रौद्योगिकियों के लिए अनुसंधान और विकास कार्यकलाप करने हेतु अनुदान/निधियन और अन्य सहयोग मुहैया कराता है । एमएसएमई और स्टार्ट-अप्स सहित उद्योगों ने रक्षा उपस्कर के अभिकल्पन, विकास और विनिर्माण सहित रक्षा नवाचार कार्यों के लिए आईडीईएक्स को एक उत्साहपूर्ण प्रतिक्रिया दी है । आईडीईएक्स ने निजी नवोन्मेषकों द्वारा स्टार्ट-अप्स की स्थापना को बढ़ावा देकर और मौजूदा स्टार्ट-अप्स/एमएसमएई के संपोषण में सहयोग देकर रक्षा औद्योगिक विनिर्माण पारिप्रणाली को बढ़ावा दिया है । इससे रोजगार सृजन के अवसर भी बढ़े हैं ।

इसके अलावा, एमएसएमई को रक्षा आपूर्ति श्रृंखला में लाने और उसके द्वारा देश में रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता बढ़ाने तथा रक्षा निर्यात में योगदान करने के लिए रक्षा मंत्रालय ने रक्षा क्षेत्र में एमएसएमई को बढ़ावा देने की एक योजना बनाई है । इस स्कीम के अंतर्गत, उद्योग संघों और देश के विभिन्न भागों के अन्य हितधारकों के सहयोग से कार्यशालाओं/संगोष्ठियों का आयोजन किया जाता है ।

***